

नेटवर्क डेटा विश्लेषण में केंद्रीयता माप: एक शक्तिशाली उपकरण: डॉ. ऋषि रंजन सिंह

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा दिनांक 30/01/2025 को PM-USHA 2.0 मद के अंतर्गत "Centrality Measures: A tools for Network Data Analytics" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में, कंप्यूटर विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. सनत कुमार साहू ने अतिथि डॉ. ऋषि रंजन सिंह, सह प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भिलाई छत्तीसगढ़ का विशेष रूप से स्वागत किया। डॉ. ऋषि रंजन सिंह, सह प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भिलाई, छत्तीसगढ़ के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं। उन्होंने बताया कि नेटवर्क विश्लेषण एक तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है जो विभिन्न क्षेत्रों में लागू होता है, जैसे कि सामाजिक नेटवर्क, बाजार अनुसंधान, परिवहन, और जैव सूचना विज्ञान। नेटवर्क डेटा का विश्लेषण करने के लिए, "केंद्रीयता माप" एक महत्वपूर्ण उपकरण है। यह माप किसी नेटवर्क में नोड्स (जैसे, व्यक्ति, कंपनियां, वेबसाइट) के महत्व या प्रभाव को निर्धारित करने में मदद करता है। केंद्रीयता मापों की उपयोगिता बताते हुए कहा कि सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण में प्रभावशाली व्यक्तियों, समूहों या संगठनों की पहचान करने के लिए, मार्केटिंग में प्रभावशाली ग्राहकों या सोशल मीडिया प्रभावितों की पहचान करने के लिए, जैविक नेटवर्क में महत्वपूर्ण प्रोटीन या जीन की पहचान करने के लिए, ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क में महत्वपूर्ण हब्स या ट्रांजिट पॉइंट्स की पहचान करने के लिए किया जाता है। यह व्याख्यान उन सभी के लिए महत्वपूर्ण है जो कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रुचि रखते हैं। यह व्याख्यान श्रोताओं को नेटवर्क डेटा विश्लेषण में केंद्रीयता माप के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के साथ ही भविष्य में नई तकनीकों के उपयोग और रिसर्च पर आधारित था। इस कार्यक्रम में विभाग के सभी सहायक प्राध्यापक एवं अतिथि व्याख्याता सहित लगभग 50 छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में, डॉ. लतिका ताम्रकार सहायक प्राध्यापक ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

